जेएस कालेज कवि सम्मेलनःएक बार कश्मीर भी दे दो योगी को...

sunshinenews.in/2022/10/जेएस-कालेज-कवि-सम्मेलनः ए/

Dr. Deepak Agarwal October 31, 2022

डॉ. दीपक अग्रवाल

अमरोहा/उत्तर प्रदेश (सनशाइन न्यूज)

जे.एस. हिंदू पी.जी. कॉलेज, अमरोहा द्वारा यशस्वी संस्थापक/दानवीर साहू जगदीश सरन की 124 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 अक्टूबर को भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

पेश हैं कुछ झलकियां

अंधियारों में शब्द ज्योति का उजियारा गाता हूं मैं
धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं मैं
मेरी कलम कामना गाती है सबकि खुशहाली की
लेकिन दिल में आग भरी है दुनिया की बदहाली की

-डॉ हरिओम पंवार

उमरिया एक सड़क वीरान
कहां है मंजिल किसको ध्यान

राजीव राज

मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए
मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए
राधा सा मीरा सा विरह मंजूर है मुझको
बनू मैं रुकमणी तेरी तू मेरा श्याम हो जाए

-अनामिका जैन अंबर

कवि सम्मेलन का भाव प्रवीण एवं कुशल संचालन सौरभ जैन सुमन द्वारा किया गया। इस अवसर पर काव्य पाठ करते हुए आपने

काश्मीर में हो रही पण्डितों की अनवरत हत्या पर कहा

राष्ट्रभक्ति के पृष्ठों से तुम नाम भले कटवा देना
मेरे जिस्म के टुकडे चीलों कंवों को खिलवा देना
मैं कहता हूँ एक बार कश्मीर भी दे दो योगी को
आतंकवाद यदि बचे तो मुझको इन्चों में कटवा देना

-सौरभ जैन सुमन

कांग्रेसी तुम्हें देख देख कर पुकारते हैं
इंदिरा जी जैसी तस्वीर लगती हो तुम
भाषण वालों ने कहा तुम्हें नहीं छोड़ने के
क्योंकि हमको तो कश्मीर लगती हो तुम

–डॉ प्रवीण शुक्ला

उनके कर्मों की सुगंध से अमरोहा महका है
विद्या की घुट्टी पी करके शक्ल क्षेत्र चहका है
सहजतया गुण और विशेषण जहां आश्रय पातें
वही तपोमूर्ति साहू जगदीश सरन कहलाते

-डॉ अरविंद कुमार शास्त्री

इस कार्यक्रम से पहले प्राचार्य वीर वीरेंद्र सिंह ने महाविद्यालय में स्थापित साहू जगदीश सरन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आयोजन के शुभारंभ में मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आज्जनेय कुमार सिंह और उनकी सहधर्मिणी, टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन, जिलाधिकारी अमरोहा बालकृष्ण त्रिपाठी, एडीएम भगवान शरण, अमरोहा नगरपालिका चेयरमैन श्रीमती शशि जैन अतुल जैन, और महाविद्यालय प्रबंधतंत्र व प्राचार्य के द्वारा मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया और तत्पश्चात अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए; तत्पश्चात सोशल मीडिया और टेलीविजन की प्रख्यात कवियत्री डॉ अनामिका जैन अम्बर ने बड़े ही श्रद्धा और प्रेम से मां शारदे की वंदना प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्र मुग्ध कर दिया।

कवियांे और अतिथियों का सम्मान

इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध तंत्र और शैक्षिक परिवार द्वारा देश के जाने माने कवि वृंदों को माला पहनाकर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर नेह पूर्ण सम्मानित किया गया। इसके बाद लगभग रात्रि 2 बजे तक कवि सम्मेलन चलता रहा। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह रही कि मंडलायुक्त, अमरोहा के जिलाधिकारी, एडीएम, नगर पालिका चेयरमैन, प्रबंध तंत्र के पारिवारिक सदस्य, विशिष्ट अतिथि और कवि व कविता प्रेमी कार्यक्रम के अंत तक उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि मंडलायुक्त को योगेश कुमार जैन, मंत्री, मंडलायुक्त जी की सहधर्मिणी को श्रीमती देवाक्षी जैन ने, जिला अधिकारी अमरोहा को संजय मालीवाल अध्यक्ष ने, कुलाधिपति टीएमयू को उमेश कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष ने, एडीएम

को लीलाधर अरोड़ा उपाध्यक्ष ने, नगर पालिका अमरोहा चेयरमैन को श्रीमती नीरु जैन ने इस अवसर पर प्रतीक चिन्ह, अंग वस्त्र और माल्यार्पण के द्वारा सम्मानित किया।

विधान केसरी | अमरोहा

मैं धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं...

जेएस कालेज के संस्थापक साहू जगदीश सरन की जयंती पर भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन

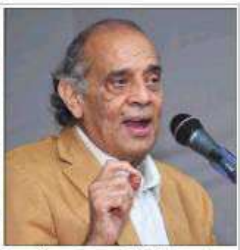

कवि सम्मेलन में दीप प्रज्जवलित करते अतिथि, कमिश्नर को सम्मानित करते प्रबंध समिति पदाधिकारी व कविता पाठ करते हरिओम पंवार

डीएम बाल कृष्ण त्रिपाठी को सम्मानित करते पदाधिकारी, चेयरपर्सन शशी जैन का स्वागत करतीं नीरू जैन, ब्लाक प्रमुख को माला पहनाते प्राचार्य

अमरोहा(विधान केसरी)। डा. सुरेश जैन, जेएस हिन्दू कालेज में संस्थापक दानवीर साहू जगदीश सरन जी की 124 वीं जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देशभर के कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे के आगे मुख्य अतिथि के रूप में मंडलायुक्त आंजनेय कुमार, पत्नी मंडलायुक्त, कुलाधिपति टीएमयू जिलाधिकारी बाल कृष्ण त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे, अपर जिलाधिकारी भगवान शरण, चेयरपर्सन शशी जैन, पूर्व चेयरमेन अतुल जैन, प्राचार्य डा. वीर विरेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्रख्यात कवियत्री डॉ. अनामिका जैन अम्बर ने बड़े ही श्रद्धा और प्रेम से मां शारदे की वंदना प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. हरिओम पंवार ने कुछ यूं पढ़ा अंधियारों में शब्द ज्योति का उजियारा गाता हूं, मैं धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं, मैं मेरी कलम कामना गाती है जबकि खुशहाली की, लेकिन दिल में आग भरी है दुनिया की बदहाली की। राजीव राज ने उमरिया एक सड़क वीरान कहां है मंजिल किसको ध्यान। अनामिका जैन अंबर ने मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, राधा सा मीरा सा विरह मंजूर है मुझको, बनू मैं रुकमणी तेरी तू मेरा श्याम हो जाए। सौरभ जैन सुमन ने कश्मीर में हो रही पण्डितों की अनवरत हत्या पर कहा राष्ट्रभक्ति के पृष्ठों से तुम नाम भले कटवा देना, मेरे जिस्म के टुकडे चीलों कंवों को खिलवा देना, मैं कहता हूँ एक बार कश्मीर भी दे दो योगी को, आतंकवाद यदि बचे तो मुझको इन्हीं में कटवा देना। डॉ प्रवीण शुक्ला ने कांग्रेसी तुम्हें देख देख कर पुकारते हैं इंदिरा जी जैसी तस्वीर लगती हो, भाषण वालों ने कहा तुम्हें नहीं छोड़ने के क्योंकि हमको तो कश्मीर लगती हो तुम। संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अरविंद कुमार शास्त्री ने उनके कर्मों की सुगंध से अमरोहा महका है, विद्या की घुट्टी पी करके शक्ल क्षेत्र चहका है, सहजतया गुण और विशेषण जहां आश्रय पातें, वही तपोमूर्ति साहू जगदीश सरन कहलाते। कवि सम्मेलन का भाव प्रवीण एवं कुशल संचालन सौरभ कुमार जैन ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री प्रबंध समिति योगेश जैन ने की। कार्यक्रम से पूर्व प्राचार्य डा. वीर बीरेंद्र सिंह ने महाविद्यालय में स्थापित साहू जगदीश सरन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और प्रतिमा के चरण स्पर्श कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही महाविद्यालय की गति प्रगति, संवर्धन एवं विकास के लिए पूर्ण निष्ठा, मनोयोग, समर्पण, लगन और प्रतिबद्धता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों को शॉल उड़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान तहसीलदार सदर भूपेन्द्र कुमार, अध्यक्ष संजय मालीवाल, कोषाध्यक्ष उमेश कुमार, उपाध्यक्ष लीलाधर अरोड़ा, देवाक्षी जैन, अधिशासी अधिकारी डा. बृजेश कुमार, युवा भाजपा नेता निखिल जैन, डा. संयुक्ता देवी, असिस्टेंट प्रोफेसर डा. संगीता धामा आदि मौजूद रहे।

धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं मैं...

- श्रोताओं से कवियों को मिली खूब वाहवाही
- जेएस कालेज में हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

जेएस हिंदू डिग्री कालेज में कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते डा. हरिओम पवार • जागरण

जागरण संवाददाता, अमरोहा: जगदीश सरन हिंदु स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संस्थापक साहू जगदीश सरन की 124वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचना प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन, डीएम बालकृष्ण त्रिपाठी, एडीएम भगवान शरण, पालिका अध्यक्ष शशि जैन, अतुल जैन, प्रचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह के साथ महाविद्यालय प्रबंध तंत्र ने 'मां शारदे' की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया। उसके बाद कवियत्री डा अनामिका जैन 'अंबर' ने 'मां शारदे' की वंदना प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्र मुग्ध कर दिया। प्रचार्य ने महाविद्यालय के विकास पर भी प्रकाश डाला।

कवि सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ होने के बाद वीर रस के क्रांतिकारी कवि डा. हरिओम पंवार ने अपना रचना प्रस्तुत की। विश्व की वर्तमान स्थिति को उजागर करते हुए कहा कि- अंधियारों में शब्द ज्योति का उजियारा गाता हूं मैं, धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं मैं। मेरी कलम कामना गोती है जबकि खुशहाली की, लेकिन दिल में आग भरी है दुनिया की बदहाली की। उसके बाद राजीव राज मंच पर आए तथा रचना प्रस्तुत की। कहा कि- उमरिया एक सड़क वीरान, कहां है मंजिल किसको ध्यान। अनामिका जैन अंबर ने भक्ति रस में डूबी अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि- मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए। राधा सा मीरा सा विरह मंजूर है मुझको, बनू मैं रुकमणी तेरी तू मेरा श्याम हो जाए। कवि सम्मेलन के संचालक सौरभ जैन सुमन ने कश्मीर की वर्तमान स्थिति को अपनी रचना के माध्यम से श्रोताओं तक पहुंचाया। उन्होंने कहा-राष्ट्रभक्ति के पृष्ठों से तुम नाम भले कटवा देना, मेरे जिस्म के टुकडे चीलों कौवों को खिलवा देना। मैं कहता हूं एक बार कश्मीर भी दे दो योगी को, आतंकवाद यदि बचे तो मुझको इन्चों में कटवा देना। डा. प्रवीण शुक्ला ने राजनीतिक व्यंग करते हुए अपनी रचना से श्रोताओं को कुछ यूं गुदगुदाया- कांग्रेसी तुम्हें देख देख कर पुकारते हैं, इंदिरा जी जैसी तस्वीर लगती हो तुम। भाषण वालों ने कहा तुम्हें नहीं छोड़ने के, क्योंकि हमको तो कश्मीर लगती हो तुम। उसके बाद डा. अरविंद कुमार शास्त्री ने स्व. साहू जगदीश सरन को नमन करते हुए अपनी रचना प्रस्तुत की। कहा- उनके कर्मों की सुगंध से अमरोहा महका है, विद्या की घुट्टी पी करके शक्ल क्षेत्र चहका है। सहजतया गुण और विशेषण जहां आश्रय पाते, वही तपोमूर्ति साहू जगदीश सरन कहलाते। रात दो बजे तक चले इस कवि सम्मेलन में सभी अतिथि अंत तक मौजूद रहे तथा कवि-कवियत्रियों का उत्साहवर्धन करते रहे। यहां पर योगेश कुमार जैन, देवाक्षी जैन, संजय मालीवाल, उमेश कुमार गुप्ता, लीलाधर अरोड़ा, नीरु जैन भी उपस्थित रहे।

में पेराई
रंभ

ाले गन्ना किसान महाराज
ी मटीपुरा को शाल
म्मानित किया गया।
मोद कुमार शर्मा ने विचार
मिल के महाप्रबंधक
ने किसानों को हर संभव
ासा दिया। प्रमोद त्यागी,
हरपाल सिंह, पूर्व प्रधान
भूरे सिंह, हरीराज सिंह,
ानाध्यक्ष रहरा अशोक
नी मिल के महाप्रबंधक
ाजोरिया, महाप्रबंधक
हरावत मौजूद थे।

ARAS HINDU
VERSITY
an Act of Parliament
परीक्षा और लेखा, पूर्व
मलों, नागरिक निर्माण
ानिंग, संपदा प्रबंधन,
रक्षा आदि के क्षेत्र में
नेंस स्कीम के तहत
अनुभवी अधिकारियों
(इंस्टीट्यूशन ऑफ
ासनिक विशेषज्ञ के
ासनिक विशेषज्ञों के
Engage) करने की
w.bhu.ac.in) पर
मा करने की अन्तिम
कुलसचिव

अमरोहा के जेएस हिंदू पीजी कॉलेज में रविवार को आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन को संबोधित करते मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह।

अमरोहा के जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज में आयोजित कवि सम्मेलन में मौजूद लोग।

'अंधियारों में शब्द ज्योति का उजियारा गाता हूं मैं'

अमरोहा, संवाददाता। जेएस हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा के संस्थापक साहू जगदीश सरन की 124 वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को देश के प्रख्यात ओजस्वी व यशस्वी कवियों की उपस्थिति में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश विदेश में ख्याति प्राप्त कवि डा. हरिओम पंवार, डा. अनामिका जैन, डा. प्रवीण शुक्ल, सौरभ जैन, सुदीप भोला, राजीव राज ने कार्यक्रम में शिरकत की। रात्रि दो बजे तक दर्शक कवि सम्मेलन में डटे रहे।

इस कार्यक्रम से पहले प्राचार्य वीर वीरेंद्र सिंह ने महाविद्यालय में स्थापित साहू जगदीश सरन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभी का आभार प्रकट किया। कवि सम्मेलन का संचालन सौरभ जैन द्वारा किया गया। आयोजन के शुभारंभ में मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह, टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन, डीएम अमरोहा बीके त्रिपाठी, एडीएम भगवान शरण, अमरोहा नगरपालिका चेयरमैन शशि जैन, अतुल जैन, योगेश कुमार जैन, देवाक्षी जैन, संजय मालीवाल, उमेश कुमार गुप्ता, लीलाधर अरोड़ा रहे।

कवियों को सम्मानित करते प्राचार्य वीर वीरेंद्र सिंह। • हिन्दुस्तान

डॉ प्रवीण शुक्ला

कांग्रेसी तुम्हें देख देख
कर पुकारते हैं
इंदिरा जी जैसी तस्वीर
लगती हो तुम
भाषण वालों ने कहा तुम्हें
नहीं छोड़ने के
क्योंकि हमको तो कश्मीर
लगती हो तुम

डॉ अरविंद कुमार

उनके कर्मों की सुगंध से
अमरोहा महका है
विद्या की घुट्टी पी करके
शक्ल क्षेत्र चहका है
सहजतया गुण और
विशेषण जहां आश्रय पातें
वही तपोमूर्ति साहू
जगदीश सरन कहलाते

डा. हरिओम पंवार

अंधियारों में शब्द ज्योति
का उजियारा गाता हूं मैं
धरती से आतंकवाद का
निपटारा गाता हूं मैं
मेरी कलम कामना गाती है
जबकि खुशहाली की
लेकिन दिल में आग भरी
है दुनिया की बदहाली की

अनामिका जैन अंबर

मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, राधा सा मीरा सा विरह मंजूर है मुझको, बनू मैं रुकमणी तेरी तू मेरा श्याम हो जाए

सौरभ जैन सुमन

राष्ट्रभक्ति के पृष्ठों से तुम नाम भले कटवा देना, मेरे जिस्म के टुकड़े चीलों कंवों को खिलवा देना,मैं कहता हूँ एक बार कश्मीर भी दे दो योगी को,आतंकवाद यदि बचे तो मुझको इन्चों में कटवा देना

राजीव राज

उमरिया एक सड़क वीरान, कहां है मंजिल किसको ध्यान

अखिल भा

मंडी धनौरा

आधुनि
मंडी धनौरा
आधुनिक भ
महान संगठ
कृष्ण कुमा
दिनेश नाग

अमरोहा में
के पदाधि

मोमि
अमरोहा
पहुंचे। पु
गंज स्थि
जताया।
इकराम

निक अधिकारी,
nc.gov.in
अधिकारी,
pri.res.in
संस्थान : अभ्यर्थी
ी हैं।
et.ac.in
भर्ती
2022
ा हल
व्याख्या
ऑनलाइन खरीदने के लिए QR कोड को तुरंत स्कैन करें।

राधा सा मीरा सा विरह मंजूर है मुझको...

अमरोहा के जेएस हिंदू पीजी कॉलेज में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। संवाद

अमरोहा। जेएस हिंदू पीजी कॉलेज द्वारा संस्थापक, निष्काम कर्मयोगी और दानवीर साहू जगदीश सरन की 124 वीं जयंती के उपलक्ष में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

शनिवार रात में कॉलेज प्रांगण में आयोजित कवि सम्मेलन में कवि डॉ. हरिओम पंवार, डॉ. अनामिका जैन 'अम्बर', डॉ प्रवीण शुक्ल, सौरभ जैन, सुमन, सुदीप भोला, राजीव राज में अपनी-अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। डा. हरिओम पंवार ने कहा...अंधियारों में शब्द ज्योति का उजियारा गाता हूं मैं, धरती से आतंकवाद का निपटारा गाता हूं मैं, मेरी कलम कामना गाती है जबकि खुशहाली की, लेकिन दिल में आग भरी है। अनामिका जैन अंबर ने यू कहा...मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, मैं तेरे नाम हो जाऊं तू मेरे नाम हो जाए, राधा सा मीरा सा विरह मंजूर है मुझको, बनू मैं रुकमणी तेरी तू मेरा श्याम हो जाए। सौरभ जैन सुमन ने ऐसे कहा...राष्ट्रभक्ति के पृष्ठों से तुम नाम भले कटवा देना, मेरे जिस्म के टुकडे चीलों कंवों को खिलवा देना, मैं कहता हूँ एक बार कश्मीर भी दे दो योगी को, आतंकवाद यदि बचे तो मुझको इंचों में कटवा देना।

डॉ प्रवीण शुक्ला ने कुछ यू कहा... कांग्रेसी तुम्हें देख देख कर पुकारते हैं, इंदिरा जी जैसी तस्वीर लगती हो तुम, भाषण वालों ने कहा तुम्हें नहीं छोड़ने के, क्योंकि हमको तो कश्मीर लगती हो तुम। इस दौरान मंडल आयुक्त आंज्जनेय कुमार सिंह, टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन जी, डीएम बालकृष्ण त्रिपाठी जी, एडीएम भगवान शरण, चेयरमैन शशि जैन, अतुल जैन, योगेश कुमार जैन, देवाक्षी जैन, संजय मालीवाल, लीलाधर अरोड़ा आदि मौजूद रहे। संवाद

NOOR
Approv
College Co
Counsellin
योग्यता
Approved
SC/S
छात्र एवं स
की छात्रा
Mob.: